राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 42 | जौनपुर बुधवार, 24 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जीएसटी के नए रेट लागू होने से देश में इलेक्ट्रॉनिक्स बिक्री में शानदार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि जीएसटी सुधार अब लागू हो चुके हैं और फेस्टिव सीजन में ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर अलग–अलग ऑनलाइन सेल के साथ देश की घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। इंडस्ट्री के जानकारों ने एयर कंडीशनर, टेलीविजन और डिशवॉशर जैसे आइटम्स पर जीएसटी रेट कट का स्वागत किया है, जो कि 28 प्रतिशत से कम होकर अब 18 प्रतिशत रह गया है। आईसीईए के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि यह उद्योगों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी। नए जीएसटी सुधार के साथ उपकरण सस्ते होंगे, घरेलू मांग बढ़ेगी, उपभोग को बढ़ावा मिलेगा, जो कि कुल मिलाकर भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगा। 18 प्रतिशत की वृद्धि रू रिपोर्ट उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि हम मानते हैं कि जीएसटी सुधार आगे चलकर स्मार्टफोन और लैपटॉप के लिए भी पेश किए जाएंगे, जिसके साथ इन आइटम्स पर जीएसटी रेट को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इस कदम के साथ स्मार्टफोन और लैपटॉप की कीमत कम होगी और डिजिटल इंक्लूशन को भी बढ़ावा मिलेगा। जीएसटी की नई दरें लागू होने के साथ ही देश भर में कंज्यूमर ड्यूरेबल स्टोर में ग्राहकों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस को बताया, ष्सेल के पहले दिन हमें शानदार प्रतिक्रिया देखने को मिली है। सभी चौनलों पर सकारात्मक माहौल है।

जर्जर हो चुकी तीन मंजिला बिल्डिंग गिरी, दो की मौत

इंदौर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र के कोष्टी मोहल्ली में मंगलवार को तीन मंजिला बिल्डिंग ढहने से दो की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल है। हादसे के समय बिल्डिंग में चार परिवार मौजूद थे। पुलिस का कहना है कि जर्जर हो चुकी बिल्डिंग को खाली करने को कहा गया था, लेकिन किसी ने बात नहीं सुनी और हादसा हो गया। बिल्डिंग गिरते ही इलाके में अफरा–तफरी मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही नगर निगम और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। हादसे में घायल लोग मुख्य रूप से फर्नीचर व्यापार से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। एक आरोपी बरी एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि घटना मंगलवार सुबह हुई। राहत कार्यों की निगरानी की जा रही है। बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को घर खाली करने के लिए पहले कहा गया था। बिल्डिंग जर्जर हो चुकी थी। हादसे के वक्त बिल्डिंग में करीब 14 से 15 लोग मौजूद थे। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की।

योगी सरकार ने कहा अब यूपी की राजनीति पूरी तरह बदल जायेगी

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय समाज लंबे समय से जातिगत पहचानों, श्रेष्ठता–हीनता के भाव और आपसी विभाजनों से जूझता रहा है। आजादी के बाद भी संविधान द्वारा दिए गए समानता और बंधुत्व के आदर्श पूरी तरह व्यवहार में नहीं उतर पाए। गांवों से लेकर शहरों तक जाति का प्रदर्शन, राजनीतिक समीकरण और सामाजिक संपर्कों पर इसका असर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार का निर्णय केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि सामाजिक सुधार और संवैधानिक आदर्शों की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 16 सितम्बर 2025 को अपने आदेश में जातिगत महिमामंडन पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर बल दिया था। इसके तुरंत बाद योगी सरकार ने जो आदेश जारी किया है, उससे जातिगत पहचान को बढ़ावा देने वाले कई प्रचलित तरीकों पर रोक लगाई गई

है। पुलिस अभिलेखों से लेकर वाहनों और बस्तियों पर लगे जातिसूचक बोर्ड तक, सब पर अब प्रतिबंध लागू होगा। यह निर्णय सामाजिक ताने–बाने को मजबूत करने वाला और भविष्य के भारत के लिए दूरगामी महत्व का है। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी 10 सूत्री आदेश के तहत अब एफआईआर, गिरफ्तारी पंचनामा, तलाशी वारंट और अन्य पुलिस दस्तावेजों में अभियुक्त की जाति का उल्लेख नहीं होगा। इसके स्थान पर माता का नाम दर्ज किया जाएगा। इससे व्यक्ति की पहचान उसकी जातिगत पृष्ठभूमि से हटकर उसके पारिवारिक और व्यक्तिगत विवरण पर आधारित होगी। साथ ही, वाहनों पर जातिसूचक स्टीकर और नारे लगाने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। गांव, बस्तियों और कॉलोनियों के नाम जाति के आधार पर दर्शाने वाले बोर्ड तत्काल हटाए जाएंगे। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर जाति–आधारित महिमामंडन या भड़काऊ सामग्री प्रसारित करता है।

तो उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। केवल अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम जैसे कानूनों में, जहां जाति का उल्लेख आवश्यक है, वहां अपवाद लागू रहेगा। देखा जाये तो इस फैसले के निहितार्थ व्यापक हैं। सबसे बड़ा असर यह होगा कि अब जाति का सार्वजनिक प्रदर्शन घटेगा। गांवों और कस्बों में अक्सर देखा गया है कि कुछ जातियां अपने वर्चस्व का दिखावा करने के लिए सड़कों के किनारे बोर्ड लगाती हैं, वाहनों पर अपनी जाति लिखवाती हैं या सोशल मीडिया पर जातीय गौरव का प्रचार करती हैं।

मोरक्को रक्षा मंत्री संग डिफेंस सेक्टर में सहयोग के लिए समुद्री सुरक्षा पर दोनों पक्ष सहमत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मोरक्को के रक्षा मंत्री अब्देलतीफ लौदियी ने आज रबात में रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्ष आतंकवाद निरोध, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, शांति स्थापना, सैन्य चिकित्सा, प्रशिक्षण और उद्योग साझेदारी में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक रोडमैप पर सहमत हुए। दोनों नेताओं ने रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया और आतंकवाद–निरोधा, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, शांति अभियानों, सैन्य चिकित्सा और विशेषज्ञों के आदान–प्रदान को शामिल करते हुए एक व्यापक रोडमैप पर सहमति व्यक्त की। दोनों मंत्रियों के बीच हुई चर्चाओं में भारत और मोरक्को के बीच दीर्घकालिक मैत्री को और मजबूत करने के साझा संकल्प को प्रतिबिंबित किया गया। इन पहलों को गति देने के लिए, रक्षा मंत्री ने रबात स्थित भारतीय दूतावास में एक नए रक्षा विंग के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने भारत के रक्षा उद्योग की परिपक्वता और ड्रोन तथा ड्रोन–रोधी तकनीकों सहित इसकी अत्याधुनिक क्षमताओं पर भी प्रकाश डाला और मोरक्को पक्ष को आश्वस्त किया कि भारतीय कंपनियाँ मोरक्को के रक्षा बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। दोनों मंत्रियों ने सशस्त्र बलों के बीच आदान–प्रदान बढ़ाने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुगम बनाने और रक्षा क्षेत्र में सह–विकास एवं सह–उत्पादन के अवसरों की खोज के महत्व पर बल दिया। उन्होंने वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बहुपक्षीय सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया और हिंद महासागर तथा अटलांटिक गलियारों के सामरिक महत्व को देखते हुए ।

नवरात्रि पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, `जीएसटी बचत उत्सव' मनाने की अपील

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पत्र लिखकर देशवासियों को नवरात्री की शुभकामनाएं दी और स्वदेशी अपनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जीएसटी स्लैब को चार से घटाकर दो (5 और 18 प्रतिशत) करने से रोजमर्रा की जरूरतों जैसे खाना, दवाइयां, साबुन, टूथपेस्ट और बीमा आदि या तो कर–मुक्त होंगे या 5 प्रतिशत के न्यूनतम स्लैब में आएंगे। पहले 12 प्रतिशत जीएसटी वाली वस्तुएं अब लगभग पूरी तरह 5 प्रतिशत में आ गई हैं। इससे उपभोक्ताओं को सस्ते दामों का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी बचत बढ़ेगी और खर्च करने की क्षमता मजबूत होगी। सपा सरकार बनने पर झूठे मुकदमों को खत्म करने की कही बात पीएम मोदी ने पत्र लिखकर देशवासियों से त्योहारी सीजन में श्जीएसटी बचत उत्सवश मनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ष्यह त्योहारी सीजन श्जीएसटी बचत उत्सवश के साथ और खास हो गया है। ये सुधार समाज के हर वर्ग, किसान, महिला, युवा, गरीब, मध्यम वर्ग, व्यापारी और एमएसएमई, को लाभान्वित करेंगे। कम कर दरों से घरेलू खर्च कम होंगे, जिससे लोग घर बनाने, वाहन खरीदने या छुट्टियां मनाने जैसी आकांक्षाएं पूरी कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 2017 में शुरू हुई जीएसटी यात्रा ने एक राष्ट्र, एक कर की अवधारणा को साकार किया और अब ये सुधार व्यवस्था को और सरल बनाएंगे। सरकार को देना होगा इसका जवाब रू सुरेंद्र राजपूत उन्होंने बताया, ष्नागरिक देवो भव हमारा मंत्र है। पिछले 11 वर्षों में हमारे प्रयासों से 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। देश में एक नया मिडिल क्लास तैयार हुआ है। अब इसे और सशक्त बनाया जा रहा है। हमने मध्यम वर्ग को भी मजबूत किया है।

सहकारी आंदोलन की मजबूती से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी मजबूत : अमित शाह

राजकोट, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह सोमवार को गुजरात के राजकोट पहुंचे, जहां उन्होंने सहकारी क्षेत्र को और मजबूत बनाने का आह्वान किया। साथ ही, उन्होंने किसानों को जीएसटी दरों में कमी से मिलने वाले लाभ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवरात्रि पर किसानों को मिली एक बड़ी सौगात है। गुजरात बनेगा कॉपर उत्पादन का नया केंद्र राजकोट दौरे के दौरान अमित शाह राजकोट जिला सहकारी बैंक की साधारण सभा और किसान महासम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सहकारी क्षेत्र को समर्पित कई घोषणाएं की और क्षेत्र के महानुभावों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बैंक के पूर्व चेयरमैन सरदार वल्लभभाई पटेल और स्व. विठ्ठलभाई रादड़िया की प्रतिमाओं

का अनावरण किया। शाह ने कहा कि इन महान नेताओं का योगदान सहकारी आंदोलन को मजबूती देने और किसानों को संगठित करने में हमेशा याद किया जाएगा। प्लान तैयार अपने संबोधन में उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में सहकार मंत्रालय का गठन किया था, जो किसानों, मछुआरों और पशुपालकों के लिए ऐतिहासिक कदम है। इस मंत्रालय के जरिए सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सहकारी संस्थाओं का लाभ सीधे साधारण किसानों तक पहुंचे। शाह ने यह भी कहा कि सहकारी आंदोलन की मजबूती से ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने सौराष्ट्र के किसानों से अपील की कि वे रासायनिक खादों का उपयोग घटाकर जैविक खेती की ओर बढ़ें। उनका कहना था कि वैश्विक स्तर पर ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है और भारत यदि इस क्षेत्र में आगे बढ़ेगा तो किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।पर विकास के दावे सिर्फ मंचों तक सीमित अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति कर रहा है। सहकारी क्षेत्र में भी कई सुधार किए गए हैं ताकि सहकारिता से समृद्धि की योजना को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने किसानों को जीएसटी दरों में कमी से मिलने वाले लाभ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नवरात्रि पर किसानों को मिली एक बड़ी सौगात है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार भी व्यक्त किया। गृह मंत्री ने अपने भाषण के अंत में किसानों और सहकारी संगठनों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर सहकारिता को और मजबूत करें, ।

भाजपा को कभी अच्छे नहीं लगते ऐसे लोग : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा नेता आजम खां के जेल से रिहा होने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहली प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हर झूठ की एक मियाद होती है। भाजपा को सामाजिक सौहार्द के प्रतीक लोग कभी अच्छे नहीं लगते हैं। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि माननीय आजम खां जी की रिहाई

उनके और उनके परिवार और हम सब के साथ–साथ, उन सब लोगों के लिए राहत और खुशी की बात है जो 'इंसाफ' में ऐतबार करते हैं। न्याय में विश्वास को बनाए रखने के लिए अदालत का दिल से शुक्रिया। आज फर्जी मुकदमे करनेवालों को भी ये सबक मिल गया है कि हर 'झूठ' की एक मियाद होती है और हर 'साजिश' की भी। जो लोग सामाजिक सौहार्द के प्रतीक होते हैं, भाजपा को वो कभी अच्छे नहीं लगते हैं। माननीय आजम खां जी एक बार फिर से हर उपेक्षित, पीड़ित, दुखी, अपमानित के साथ खड़े होकर, भाजपाइयों और उनके संगी–साथियों के द्वारा किये जा रहे जनता के दमन के खिलाफ आवाज उठाएंगे और हमेशा की तरह देश–प्रदेश की भावनात्मक एकता के प्रतीक बनकर, ।

गुजरात बनेगा कॉपर उत्पादन का नया केंद्र

गांधीनगर, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने की दिशा में गुजरात सरकार का अनमोल रत्न, गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन (जीएमडीसी) लिमिटेड, गर्व पूर्वक अंबाजी कॉपर प्रोजेक्ट को शुरू करने जा रहा है, जो भारत के सामरिक कॉपर क्षेत्र को नई दिशा देने वाला है।अमित शाह यह परियोजना न केवल भारत की तांबे की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी, बल्कि गुजरात की औद्योगिक प्रगति, क्षेत्रीय विकास और रोजगार सृजन में भी मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात एक बार फिर साबित कर रहा है कि वह प्राकृतिक संसाधनों के क्षेत्र में देश का मार्गदर्शक राज्य है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भारत अपनी कुल कॉपर खपत का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे समय में अंबाजी कॉपर प्रोजेक्ट के तहत एकीकृत खनन और बेनिफिसिएशन संयंत्र की स्थापना बड़े पैमाने पर उत्पादन और दीर्घकालिक संसाधन स्थिरता सुनिश्चित करेगी। अंबाजी कॉपर प्रोजेक्ट गुजरात की औद्योगिक प्रगति, रोजगार सृजन और सामरिक खनिज आपूर्ति में अग्रणी भूमिका को दर्शाती है। गुजरात की खनिज–समृद्ध पट्टी में स्थित अंबाजी कॉपर प्रोजेक्ट अन्वेषण, खनन और बेनिफिसिएशन की सभी प्रक्रियाओं को एक ही अत्याधुनिक

सुविधा में एकीकृत करता है। 185 हेक्टेयर में फैली इस परियोजना में कॉपर, जिंक और लेड के समृद्ध भंडार मौजूद हैं। जीएमडीसी के अनुसार, परियोजना क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ टन (10 मिलियन टन) खनिज भंडार है, जिसकी कुल परिसंपत्ति मूल्य लगभग 22,000 करोड़ रुपए आंका गया है, जिसमें अकेले कॉपर का मूल्य 18,000 करोड़ रुपए है। कॉपर के उच्च मूल्य को देखते हुए यह परियोजना विश्व की शीर्ष 10 खनिज परिसंपत्तियों में शामिल है। कहा– जनता सालों से भुगत रही, पर विकास के दावे सिर्फ मंचों तक सीमित परियोजना में कुल 24,000 मीटर की ड्रिलिंग की योजना है, जिनमें से 9,300 मीटर की ड्रिलिंग पहले ही सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है। हाल ही में भारतीय खान ब्यूरो ने इस परियोजना की खनन योजना को स्वीकृति प्रदान की है। अंबाजी कॉपर प्रोजेक्ट गुजरात की पहली भूमिगत खनन परियोजना बनकर न केवल खनिज संपदा को उजागर करेगा, बल्कि 2,200 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित कर आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। पीएम मोदी आज करेंगे 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम में 1 लाख करोड़ की परियोजनाएं शुरू अंबाजी कॉपर परियोजना केवल औद्योगिक उत्पादन तक सीमित नहीं है, ।

चिराग पासवान का सीट बंटवारे पर बड़ा बयान

बिहार, (एजेंसी)। इस साल होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। एनडीए घटक दलों में अब सीट बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू होने की चर्चा गर्म है। इस बीच, एनडीए में शामिल लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि सीट सम्मानजनक ही रहेगी। उन्होंने कहा, ष्सम्मान से समझौता कर कौन किस गठबंधन में रहा है? पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने सीट बंटवारे को लेकर कहा कि अब शुभ दिन आ गया है। नवरात्र का पहला दिन है, अब शुभ ही होगा। बिहार की राजधानी पटना में कांग्रेस की कार्यसमिति की होने वाली बैठक को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस

में इतनी हिम्मत ही नहीं है कि वह अकेले चुनाव लड़ सके। यह देश की सबसे पुरानी पार्टी है। एक बार बिहार में अकेले चुनाव लड़कर देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं है, उसके बावजूद भी अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत न कांग्रेस जैसी देश की सबसे पुरानी पार्टी के पास है, न बिहार की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक राजद के पास है। ये लोग तो कभी अकेले चुनाव लड़ते नहीं हैं। शुभारंभ लोजपा (रामविलास) के प्रमुख ने कहा कि वे हम पर जरूर निशाना साधेंगे। हम लोगों ने अकेले चुनाव लड़ा, तो क्या हो गया? कम से कम अकेले चुनाव लड़ने की हिम्मत तो रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इनमें से किसी में हिम्मत है, तो एक बार अकेले चुनाव लड़ कर दिखाएं। चिराग पासवान ने कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक को गठबंधन में वर्चस्व की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि यह कहीं न कहीं दबाव की राजनीति है। जिस दबाव के तहत नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि हमलोग 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। राहुल गांधी राजद के नेता तेजस्वी यादव के साथ पूरी यात्रा कर लेते हैं, लेकिन एक बार भी मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति कांग्रेस की तरफ नहीं बनती है। उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूसी में कांग्रेस के सभी बड़े नेता रहेंगे। ऐसे में केवल यह दबाव ही है।

वोट चोरी और बेरोजगारी एक–दूसरे से जुड़े, अन्या बर्दाश्त नहीं करेंगे युवा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब तक देश में चुनाव ईमानदारी से नहीं होंगे और वोट चोरी होती रहेगी, तब तक युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा और भ्रष्टाचार लगातार बढ़ेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर हिंदी में पोस्ट करते हुए लिखा कि आज के समय में भारत के युवाओं के सामने सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और यह सीधे–सीधे वोट चोरी से जुड़ी हुई है। राहुल गांधी ने कहा, श्जब कोई सरकार जनता का भरोसा जीतकर सत्ता में आती है, तो उसका पहला कर्तव्य युवाओं को रोजगार और अवसर उपलब्ध कराना होता है। लेकिन भाजप ईमानदारी से चुनाव नहीं जीतती। वे सत्ता में बने रहने के लिए वोट चुराते हैं और संस्थाओं को अपने नियंत्रण में रखते हैं।श उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से बेरोजगारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी नौकरियों में भर्ती की प्रक्रिया ठप हो गई है, परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं और हर भर्ती घोटाले की कहानियां भ्रष्टाचार से जुड़ी होती हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, श्देश के युवा मेहनत करते हैं, सपने देखते हैं और अपने भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं। लेकिन मोदी जी का ध्यान सिर्फ अपने पीआर पर है, कभी मशहूर हस्तियों से अपनी तारीफ करवाने में, तो कभी बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने में। सरकार की पहचान अब युवाओं की उम्मीदें तोड़ने और उन्हें हताश करने वाली बन चुकी है।

संपादकीय

अपनों पर बमबारी

पाक सत्ता के कुशासन व भेदभाव से त्रस्त उसके कई राज्यों के नागरिक दमन के खिलाफ मुखर विरोध जताते रहे हैं। जिसमें पाकिस्तान के अशांत उत्तर–पश्चिमी प्रांत, खैबर पख्तूनख्वा के लोग भी शामिल हैं। गरीबी–महंगाई और हाल के हफ्तों में भारी बाढ़ की तबाही झेल रहे खैबर के असहाय लोग अब एक क्रूर सैन्य अभियान का भी दंश झेल रहे हैं। कहने को तो पाक सेना के इशारे पर मुहिम चला रही सरकार का कहना है कि खैबर पख्तूनख्वा में प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों का सफाया करने के लिये यह अभियान चलाया जा रहा है। बताया जाता है कि तिराह घाटी में पाकिस्तानी वायु सेना के विमानों द्वारा किए गए बम विस्फोटों में महिलाओं–बच्चों समेत करीब तीस नागरिकों की जान चली गई है। इस घटना के बाद पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग ने अफगानिस्तान सीमा के पास हुए हवाई हमलों की जांच की मांग की है। हमेशा की तरह की झूठी कहानी गढ़ने में मशहूर पाकिस्तानी पुलिस की दलील है कि इन मौतों के लिये उस परिसर में हुए विस्फोट जिम्मेदार हैं, जहां टीटीपी ने विस्फोटक सामग्री जमा कर रखी थी। दरअसल, भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों के द्वारा पाकिस्तान के आतंकवाद फैलाने के मंसूबों को बेनकाब किया है। जिसके जवाब में पाकिस्तान सेना के फील्ड मार्शल असीम मुनीर यह दिखावा करने पर तुले हुए हैं कि उनका देश आंतकवाद का पोषक नहीं बल्कि इससे पीड़ित देश है। दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान में यह चाल खूब चली है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भारतीय धरती पर हुए इस भयावह नरसंहार के लिये पाकिस्तान को दोषी ठहराने से कतरा रहा है, भले ही इसके स्पष्ट संकेत हों। दरअसल, कथित रूप से आतंकवाद से निपटने के बहाने, पाकिस्तान का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ यानी पीटीआई सरकार को कमजोर करने की भरसक कोशिश कर रहा है। वास्तव में पाक हुकमरान अतीत में भी सेना के इशारे पर विपक्षी राजनीतिक दलों के दमन के लिये अभियान चलाते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की मुख्य विपक्षी पार्टी पीटीआई अपने संस्थापक, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के दो साल से जेल में बंद होने के विरोध में पहले ही संघर्ष जारी रखे हुए है। पूरे देश में पीटीआई कार्यकर्ताओं को जेलों में डाला जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान की सत्ता में काबिज वर्ग विशेष के खिलाफ प्रतिरोध का स्वर मुखर करने वाले प्रांतों में लोगों के सफाये के लिये सुनियोजित अभियान चलाये जाते रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा में लंबे समय से मानवाधिकारों के हनन और लोगों के जबरन विस्थापन के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर उभरते रहे हैं। अब इस हवाई हमले ने पाकिस्तान सरकार के नापाक मंसूबों को सारी दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो अपने सोते हुए नागरिकों पर बम बरसाकर खतरनाक इरादों को अंजाम दे रही है। विडंबना यह है कि जो पाकिस्तान भारत के खिलाफ दशकों तक सीमा पार से आतंकवाद का प्रायोजक रहा है, अब यह चाहता है कि तालिबान सरकार सुनिश्चित करे कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिये न हो। इसमें दो राय नहीं कि पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर के दुस्साहस के चलते ही अफगानिस्तान के साथ उसके देश के संबंधों को नुकसान पहुंचा है।

पंजाब को बाढ़ से बचाने को बने कारगर रणनीति

गोपल

पंजाब में आई हालिया बाढ़ ने व्यापक जन–धन की हानि की है। असामान्य बारिश इसकी वजह बनी, लेकिन बांधों का तर्कसंगत और समयबद्ध प्रबंधन बाढ़ की विभाषिका को कम कर सकता है। भविष्य में ऐसी तबाही की पुनरावृत्ति रोकने हेतु बांधों का प्रबंधन, जल संग्रहण क्षमता का विस्तार, नदियों के जल प्रवाह को संतुलित एवं सुरक्षित रूप से नियंत्रित करना जरूरी है। पंजाब ने 1988 के बाद पांचवीं बार विनाशकारी बाढ़ का सामना किया

है। इससे पहले, राज्य में 1993, 2008, 2019 और 2023 में विनाशकारी बाढ़ आई थी। संयोगवश, इन बाढ़ों के लिए केवल सतलुज और व्यास नदियां ही जिम्मेदार रही हैं। रावी नदी केवल इस साल ही रौद्र रही। बाढ़ का पैटर्न कमोबेश हर बार जाना–पहचाना होता है। इस साल, अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर के पहले दो सप्ताहों में सतलुज और व्यास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश हुई, जबकि दोनों नदियों पर बने बांधों के जलाशय पहले ही अधिकतम भंडारण स्तर तक भर चुके थे। परिणामस्वरूप, जलाशयों को सुरक्षित और इष्टतम स्तर पर बनाए रखने के लिए स्पिल–वे से प्रचुर मात्रा में पानी छोड़ना पड़ा, जो पूरे वेग से निकला। इस निकासी के साथ–साथ, दोनों बांधों के निचले उप–पहाड़ी इलाकों से उत्पन्न भारी वर्षा जल प्रवाह ने भी दोनों नदियों को उफान पर ला दिया, जिससे राह में पड़ने वाले कमजोर तटबंध टूट गए और बड़ी संख्या में गांवों के खेत जलमग्न हो गए। इस बार, तीनों नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों की तुलना में उप–पहाड़ी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश के कारण विनाशकारी बाढ़ आई और बांधों के निचले इलाकों में लाखों क्यूसेक पानी पैदा होकर प्रवाहित हुआ। उदाहरणार्थ, 7 सितंबर तक, बीबीएमबी ने केवल सीमित मात्रा में पानी छोड़ा, जो बिजली संयंत्रों को उनकी निर्धारित क्षमता पर चलाने के लिए आवश्यक था। सतलुज और ब्यास नदियों में पानी की आमद लगभग पूरी तरह से बांधों से निचले इलाके की सहायक नदियों एवं अन्य धाराओं द्वारा लाए गए प्रचुर जल–प्रवाह के कारण थी। उदाहरण के लिए, स्वां और सिरसा नामक दो बड़ी सहायक नदियों सहित अन्य 16 धाराएं हैं, जो नंगल बांध और रोपड़ हेडवर्क्स के बीच के इलाके में सतलुज में आन मिलती हैं। इन 16 धाराओं का संयुक्त प्रवाह 3.0 लाख क्यूसेक से अधिक रहा। रावी नदी के मामले में प्रवाह का पैटर्न थोड़ा अलग हो सकता है। यहां, बीबीएमबी के विपरीत, पंजाब के सिंचाई विभाग ने रणजीत सागर जलाशय के आंतरिक प्रवाह और बाह्य प्रवाह के आंकड़े मीडिया को नहीं बताए हैं। ऐसी संभावना है कि स्पिल–वे से 600 मेगावाट बिजली संयंत्र चलाने के लिए आवश्यक मात्रा से अधिक पानी छोड़ा गया हो। ऐसा इसलिए है क्योंकि रणजीत सागर जलाशय की वर्तमान भंडारण क्षमता केवल 2.33 बिलियन क्यूबिक मीटर है, जोकि पौंग बांध जलाशय के 30 प्रतिशत और भाखड़ा जलाशय के 38 प्रतिशत जितनी है। इसके अलावा, रणजीत सागर, पौंग बांध और भाखड़ा बांध जलाशयों का क्षेत्रफल क्रमशः 52, 241 और 168 वर्ग किलोमीटर है। यह तुलना स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि जलाशय के छोटे आकार के कारण रणजीत सागर बांध विराट मात्रा में आए पानी को संभालने में असमर्थ है और स्पष्टतः अधिकतम प्रवाह को नियंत्रित नहीं कर सकता। रावी नदी से लगभग 4.0 लाख क्यूसेक अभूतपूर्व प्रवाह का यह एक और कारण हो सकता है। फिर, डलहौजी के पास रावी नदी के ऊपर की ओर, 121 मीटर ऊंचा चिमेरा बांध है और इसका कुल संग्रहण क्षेत्र लगभग 0.45 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) है। इसी प्रकार, भाखड़ा बांध के ऊपर की ओर 167 मीटर ऊंचा कोल बांध का संग्रहण क्षेत्र 0.6 अरब घन मीटर में है। दुर्भाग्य से, इन दोनों बांधों को नदी–प्रवाह (रन ऑफ द रिवर) परियोजनाओं के रूप में डिजाइन किया गया है। अधिकतम संभव विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए, इनके जलाशयों को वर्ष भर ऊपर तक भरा रखा जाता है। यदि इन दोनों बांधों को भी संग्रहण बांधों के रूप में डिजाइन किया गया होता, तो इनके जलाशय आपातकालीन अवधियों के दौरान बड़े आने वाले जल प्रवाह को अपने अंदर समाहित रणजीत सागर तथा भाखड़ा बांधों के स्पिल–वे पर चरम प्रवाह के बोझ को नियंत्रित करने में सहायक हो सकते थे। पंजाब के आठ जिलों के 2000 गांवों में बाढ़ के भयावह स्तर और इसके परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था की व्यापक क्षति को देखते हुए, पंजाब और केंद्र सरकार, दोनों को तत्काल निवारक उपाय करने की आवश्यकता है जिससे भविष्य में इस प्रकार की भयावह बाढ़ की स्थिति फिर कभी न बने। ये उपाय अल्पकालिक और दीर्घकालिक, दोनों होने चाहिए, जैसा कि नीचे विस्तार से बताया गया है। अल्पकालिक उपाय के रूप में भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्षा के पूर्वानुमान सही निकलते पाए जाने पर, बीबीएमबी को 20 अगस्त के आसपास दोनों बांधों में जलाशय स्तर को पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) से कम–से–कम एक मीटर नीचे रखना चाहिए ताकि अगस्त के अंत और सितंबर की शुरुआत में अधिक जल प्रवाह को समायोजित किया जा सके। रणजीत सागर बांध के इंजीनियरिंग विंग भी ऐसी नीति अपनाए। दूसरा, सभी पुलों के नीचे के जलमार्गों से जमा हुई तमाम गाद को पूरी तरह से साफ किया जाए। इसी प्रकार, वर्षा ऋतु शुरू होने से पहले सभी वेयर्स और बैराजों के गेटों की कार्यक्षमता की जांच हो। कीचड़ व मलबे के कारण माधोपुर हेडवर्क्स के केवल पांच गेट ही खोले जा सकें। तीसरा, सिंचाई विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि तीनों नदियां सुरक्षित तरीके से 4.5 लाख क्यूसेक पानी का बहाव सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए विभाग मौजूदा कमजोर तटबंधों को मजबूत करे, खनन ठेकेदारों द्वारा तटबंधों पर लगाई सेंधों को बंद करे, पूरक तटबंध बनाए, नदियों के पूरे रास्ते भर तटबंधों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पर और ग्रोइन बनाए जाएं जो अगली बरसात से पूरा हो जाना चाहिए। इसी तरह, सतलुज नदी के हरिके और हुसैनीवाला बैराज के बीच के 53 किलोमीटर के हिस्से में नदी प्रवाह सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि एकीकृत हुई नदी, सतलुज और ब्यास के संयुक्त प्रवाह को सुरक्षित रूप से संभाल पाए। दीर्घकालिक उपाय के रूप में पंजाब सरकार को चाहिए कि रिकांगपिओ के ऊपरी हिस्से में सतलुज नदी पर खाब परियोजना को पुनर्जीवित करके 1.0 बीसीएम क्षमता का एक भंडारण बांध बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास करे। इस बांध का भंडारण अचानक आने वाली बाढ़ को अपने में समा कर, भाखड़ा जलाशय तक मार करने वाली बाढ़ को नियंत्रित करने में मददगार होगा।

पुस्तकें जो बन जाती हैं दर्द में दवा

दुविधा काल में किताबों में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है। तमिलनाडु के तिरुचि के महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में एक उपेक्षित कोने में शुरू हुआ पुस्तकालय मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों के लिए सुकून, ज्ञान और समय बिताने का माध्यम बन गया है। यहां कुछ पुस्तकें, पत्रिकाएं और अंग्रेजी–तमिल अखबार उपलब्ध हैं। कोविड काल में यह सिद्ध हो चुका है कि मनोरंजक किताबें मरीजों के उपचार में बेहद सहायक होती हैं। कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को एकांतवास में रखा जाता था। लेकिन आए दिन एकांतवास केंद्रों से मरीजों के झगड़े या तनाव की खबरें आ रही थीं। तब जिला प्रशासन ने नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से लगभग 200 बच्चों की पुस्तकें वहां वितरित कर दीं। रंग–बिरंगी पुस्तकों ने मरीजों के दिल में जगह बना ली और वे खुश नजर आने लगे। उनका समय पंख लगाकर उड़ गया। डॉक्टरों ने भी माना कि पुस्तकों ने क्वारंटीन किए गए लोगों का तनाव कम किया, उन्हें गहरी नींद आई और सकारात्मकता का संचार हुआ। इससे उनकी स्वास्थ्य लाभ की गति भी बढ़ी। दिल्ली में भी छतरपुर स्थित राधास्वामी सत्संग में बनाए गए विश्व के सबसे बड़े क्वारंटीन सेंटर में हजारों पुस्तकों के साथ लाइब्रेरी शुरू करने की पहल की गई। यहां नेशनल बुक ट्रस्ट ने एक हजार किताबों के साथ उनकी पत्रिका 'पाठक मंच' बुलेटिन और 'पुस्तक संस्कृति' के सौ–सौ अंक भी रखे। वहां भर्ती मरीज जल्दी स्वस्थ और प्रसन्न दिखे। देश के अस्पतालों में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों की उपस्थिति भीड़ और अव्यवस्था का बड़ा कारण है, क्योंकि वे अक्सर बिना काम के प्रतीक्षा क्षेत्र में समय बिताते हैं और मानसिक थकान का शिकार हो जाते हैं, जिससे अस्पताल प्रणाली पर भी दबाव बढ़ता है। तिरुची के अस्पताल के पुस्तकालय ने ऐसे तीमारदारों को सकारात्मक और व्यस्त रखने का समाधान खोजा है। दुनिया के विकसित देशों के अस्पतालों में पुस्तकालय की व्यवस्था का इतिहास सौ साल से भी पुराना है। अमेरिका में 1917 में सेना के अस्पतालों में लगभग 170 पुस्तकालय स्थापित किए गए थे। ब्रिटेन में सनद् 1919 में वार लाइब्रेरी की शुरुआत हुई। इसके बाद आज अधिकांश यूरोपीय देशों के अस्पतालों में मरीजों को व्यस्त रखने और ठीक होने का भरोसा देने के लिए ऐसी पुस्तकों की व्यवस्था है। ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक अस्पतालों में तो आम लोग भी पुस्तकें पढ़ने के लिए ले सकते हैं। इंग्लैंड के मैनचेस्टर के क्रिस्टी कैंसर अस्पताल का पुस्तकालय तो पुस्तकों का वर्गीकरण रंगों के अनुसार करता है। जापान के अस्पतालों में बच्चों की किताबें बहुतायत में मिलती हैं और उन्हें अक्सर वयस्क ही पढ़ते हैं। भारत में तकरीबन अड़तीस हजार अस्पताल हैं, जिनमें कोई आठ लाख से अधिक मरीज हर दिन भर्ती होते हैं। इनके साथ तिमारदार भी होते हैं। अनुमान है कि कोई बीस लाख लोग चौबीसों घंटे अस्पताल परिसर में होते हैं। इनमें बीस फीसदी ही बेहद गंभीर होते हैं, शेष लोग बुद्धि से चौतन्य और ऐसी अवस्था में होते हैं जहां उन्हें बिस्तर पर लेटने या बाहर अपने मरीज का इंतजार करना एक उकताहट भरा काम होता है। आमतौर पर बड़े अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाए गए टीवी, अक्सर तनाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम दिखाते हैं, जबकि मोबाइल फोन अफवाहों और झूठी सूचनाओं का जरिया बन चुके हैं। इससे मरीजों का मानसिक संतुलन और तीमारदारों की शांति दोनों प्रभावित होती है। सर्वविदित है कि पुस्तकें एकांत में सबसे अच्छा साथ निभाती हैं। ये काले छपे हुए शब्द, दर्द और उदासी के दौर में दवा का काम करते हैं। हर किसी की जिंदगी में कुछ अच्छी किताबों का होना जरूरी है।

..... विविध .....

व्रत में स्वादिष्ट फलाहारी रेसिपीज

नवरात्रि के नौ दिन मां के नौ अलग–अलग रूपों की पूजा की जाती है। भक्त माता की उपासना करते हैं और उपवास रखते हैं। इन दिनों में अगर आप व्रत कर रहे हैं, तो अपनी सेहत का भी ख्याल रखें। खान–पान का विशेष ध्यान रखें। दिन की शुरुआत ग्रीन टी और कुछ खजूर के साथ कर सकते हैं। उपवास के दौरान शरीर ऊर्जावान रखने को साबूदाना, फल (जैसे सेब, केला), सूखे मेवे (बादाम, काजू, किशमिश), डेयरी उत्पाद (दूध, दही), जड़ वाली सब्जियां (आलू, शकरकंद) और कुट्टू या सिंघाड़े का आटा खाना फायदेमंद है। सेंधा नमक का उपयोग करें। इस बार शारदीय नवरात्र में ये फलाहारी रेसिपी ट्राई कर सकते हैं–

सामग्री – 4–5 उबले हुए आलू बड़े साइज के, 100 ग्राम फ्रेश पनीर, 100 ग्राम कसा नारियल, 100 एमएल दूध, 50 ग्राम सिंघाड़े का आटा, हरा धनिया एवं हरी मिर्च, राजगिरे का आटा, छोटा चम्मच जीरा, 4–5 टमाटर, दो–तीन चम्मच शक्कर, सेंधा नमक व लाल मिर्च।

कैसे बनाएं – कोफ्ते बनाने के लिए उबले आलू को छीलकर मसल लें। इसमें पनीर कसकर मिला लें। इस मिश्रण में सिंघाड़े का आटा, हरी मिर्च व हरा धनिया, नमक व लाल मिर्च मिलाकर कोफ्ते के गोले बना लें। इन गोलों को राजगिरे के सूखे आटे में लपेटकर तल लें। दूसरी कढ़ाई में 3–4 चम्मच तेल गर्म करके जीरा डालें व टमाटर प्यूरी डाल भून लें। अब इसमें सेंधा नमक, दो–तीन चम्मच शक्कर डालें। कसा नारियल और दूध डाल पका लें। पकने पर कोफ्ते डालें और गरमा–गरम कोफ्ते राजगिरे या सिंघाड़े की पूरी के साथ पेश करें।

खस्ता नमकीन पूरी

क्या चाहिए – 1/2 कटोरी सिंघाड़े का आटा, 2 कटोरी राजगिरे का आटा, 1½ कटोरी मूंगफली दाने, 1 चम्मच सौंफ दरदरी पिसी हुई, 4–5 हरी मिर्च का पेस्ट, हर धनिया बारीक कटा, 1 चम्मच लाल मिर्च, सेंधा नमक स्वादानुसार, तेल या घी।

कैसे बनाएं : राजगिरे व सिंघाड़े का आटा छानकर कढ़ाई में हल्का गुलाबी होने तक सेंकें। अब मूंगफली के दाने को सेंक कर बारीक पीसें। ठंडा होने पर थाली में दोनों आटे को मिक्स कर उपरोक्त सभी सामग्री मिलाकर थोड़ा कड़ा आटा गूंथ लें और थोड़ी देर ढक दें। आटे की छोटी–छोटी लोई से पूरियां बना कर मूंगफली तेल या घी में कुरकुरी तल लें। तैयार फलाहारी नमकीन पूरी रायते तथा हरी चटनी संग सर्व करें।

लौकी के पकौड़े

क्या चाहिए – 250 ग्राम लौकी (घीया), 200 ग्राम सिंघाड़े का आटा, 1 चम्मच अदरक व 1 चम्मच हरीमिर्च पेस्ट, नमक, जीरा, मिर्च, हरा धनिया, तेल।

कैसे बनाएं : लौकी को छीलकर कद्दूकस कर लें। इसमें सभी मसाला सामग्री और सिंघाड़े का आटा मिलाकर गाढ़ा घोल बना लें। लौकी को घिसने के बाद उसमें भी काफी मात्रा में पानी होता है, अतरू घोल बनाते समय ज्यादा पानी को उपयोग में ना लें। मिक्स कर लें। कढ़ाई में तेल गर्म करके छोटे–छोटे पकौड़े तलें। ये झटपट तैयार की जाने वाली रेसिपी है। दही या हरी चटनी संग सर्व करें।

फलाहारी बनाना बडा

क्या चाहिए – 3 कच्चे केले, 250 ग्राम कुट्टू आटा, सेंधा नमक 2 चम्मच, हरी मिर्च 4, हरा धनिया 1 लच्छी, उबले आलू 8, भुने एवं दरदरे पिसे मूंगफली दाने 1 छोटी कटोरी, तेल।

कैसे बनाएं : हरी मिर्च और हरे धनिया को बारीक काट लें। कुट्टू आटे में 1½ चम्मच नमक और उबालकर मैश किए केले मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। आलू मैश करें और इसमें हरा धनिया, हरी मिर्च, मूंगफली दाना और नमक मिलाएं। इसके छोटे–छोटे गोले बनाएं और इन्हें तैयार आटे के मिश्रण में डुबोएं। तेल में सुनहरा होने तक तलें। अब टमाटर चटनी के साथ गरमा–गरम बनाना बडा सर्व करें।

मोरधन कचोरी

क्या चाहिए – 150 ग्राम मोरधन या समा के चावल, 3 आलू, राजगिरे का आटा 100 ग्राम, सिंघाड़े का आटा 50 ग्राम, कालीमिर्च, लौंग, लाल मिर्च, अदरक पेस्ट, जीरा सभी चीजें एक–एक छोटा चम्मच, नमक, 2–3 हरी मिर्च, हरा धनिया बारीक कटा, तेल।

कैसे बनाएं– समा के चावलों (मोरधन) को को साफ कर 2 घंटे भिगो दें। फिर महीन पीस लें। आलू उबालकर मेश कर लें। कढ़ाई में 50 ग्राम तेल डालकर गरम करें। जीरा व हरी मिर्च डाल दें, वे तड़कने लगें तब मोरधन पेस्ट डालकर भूनें। खुशबू आने लगे तब आलू पेस्ट व सारे मसाले डाल दें। कुछ देर और भूनें, उतारकर हरा धनिया डालें। ठंडा होने पर बड़े आकार की गोलियां बना लें। अब राजगिरे व सिंघाड़े के आटे में थोड़ा–सा नमक व एक छोटा चम्मच तेल डालकर पूड़ी के आटे जैसा गूंथ लें। छोटी–छोटी लोइयां बनाकर पपड़ी बेलें। हर पपड़ी में मिश्रण की गोली रखकर कचोरी का आकार दें। अब तेल में गुलाबी होने तल लें। मोरधन की टेस्टी खस्ता कचोरी तैयार हैं। हरी चटनी या रायते के साथ

–लेखिका खान–पान विषय की जानकार हैं।

शारदीय नवरात्रि

आप नवरात्रि व्रत रख रहे हैं तो स्वस्थ व एनर्जेटिक रहना जरूरी है। इसके लिए सुबह ग्रीन टी व खजूर सेवन करें। दिन में साबूदाना, फल, दूध–दही, आलू, शकरकंद और कुट्टू आटा खाना लाभप्रद है। इनसे आप टेस्टी रेसिपीज बना सकते हैं।

भागीदारी का मूल्य समझ सम्मान संग मिले हिस्सेदारी

हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट ने स्त्री शक्ति की अहमियत समझने के भाव से जुड़ा एक अहम निर्णय दिया। न्यायालय द्वारा परिवारों में गृहिणियों के योगदान को मान्यता देने की वकालत की। दिल्ली उच्च न्यायालय के अनुसार, अब समय आ गया है कि घर–परिवार संभाल रही स्त्रियों की भूमिका को संपत्ति के स्वामित्व संबंधी अधिकारों के संदर्भ में मान्यता दी जाए, क्योंकि घर बनाने और चलाने में गृहिणियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। असल में यह फैसला स्त्री शक्ति के उस रूप की ओर ध्यान दिलाता है, जिसकी भागीदारी अकसर अनदेखी रह जाती है। यह निर्णय कहता है कि स्वयं को भूलकर बच्चों पर प्यार लुटाने और संस्कार पोसने वाला मातृशक्ति का यह रूप भी मान पाने योग्य है। असल में बड़े–बुजुर्गों की संभाल से लेकर आंगन में अपनेपन को कायम रखने तक, गृहिणियों को भी सम्मान मिलना चाहिए। बावजूद इसके जिम्मेदारियां निभाने में पूरा जीवन लगा देने वाली बहुत सी घरेलू स्त्रियों के हिस्से कुछ नहीं आता। मान–सम्मान के मोर्चे पर उपेक्षा ही नहीं, आर्थिक पहलू पर असुरक्षा भी उनके मन को घेरे रहती है। ऐसे में कोर्ट का फैसला सचमुच स्त्री शक्ति की इस भूमिका की गरिमा समझने की बात लिए है। आंगन तक सिमटी इस भागीदारी के मूल्य को समझकर सम्मान देने का आह्वान करता है।

सब कुछ होकर भी कुछ नहीं

मां, पत्नी, बहू, बेटी के रूप में महिलाओं को बताया जाता है कि सब उनका ही तो है। महिलाएं भी जब तक किसी संकट में ना फंस जाएं यही मानती हैं कि घर के आर्थिक मामलों में अपनी बात रखने की जरूरत ही क्या है? अलग से किसी तरह के मालिकाना हक की चिंता करनी ही क्यों है? वे तो घर को संभालने–चलाने से जुड़ी अपनी फाइनेंशियल वैल्यू भी नहीं आंकतीं। परिजन–स्वजन तो इस विषय में सोचते ही नहीं। तभी तो बहुत से बदलावों के बावजूद यह अनदेखी कायम है। ऐसे में इस निर्णय से घर, परिवार और बच्चों की देखभाल में गृहिणियों के योगदान को आंकते हुए मालिकाना अधिकारों का फैसला लेने में मदद मिलेगी। दिन–रात अपनों को बिना मांगे मिलने वाले उस सहयोग का मूल्य तय किया जा सकेगा, जिसे आर्थिकी के किसी खांचे में नहीं रखा जाता। कोर्ट ने भी कहा कि घरों में पूर्णकालिक गृहिणियों की मौजूदगी से विशेष मदद मिलती है। साथ ही हमारे देश के बहुत से परिवारों में घरेलू सहायक भी नहीं हैं। स्पष्ट है कि इन परिवारों में फुलटाइम गृहिणियों की मौजूदगी बहुत से खर्चों को बचाती है। इस तरह होने वाली बचत भी कई परिवारों को संपत्ति खरीदने की स्थिति तक लाती है। महिलाओं की इस बचत से कई परिवार अपना घर बना पाते हैं। सुख–सुविधाएं जुटा पाते हैं। बावजूद इसके पारिवारिक संपत्ति के स्वामित्व और गृहिणियों को लेकर कोई बात ही नहीं होती। 'सब तुम्हारा ही है' कहने वाले हमारे परिवेश में स्त्रियों के पास सब कुछ होकर भी कुछ नहीं होता।

निःशुल्क कार्यों की अंतहीन सूची

गृहिणी के रूप में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी की अनदेखी का भाव सदा से रहा है। उनके मालिकाना हक को लेकर न सोचने के पीछे भी यही सोच रही है। जबकि गृहिणियां अपनी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा उन अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं, जिनके लिए घरेलू सहायक अच्छी–खासी तनख्वाह लेते हैं। महिलाओं को उनके कामों के लिए आर्थिक लाभ देने में ही नहीं इस भूमिका को सम्मानजनक बनाने का भाव भी नदारद है। हमारे यहां महिलाओं के हिस्से विकसित देशों की स्त्रियों से ज्यादा काम हैं व सुविधाएं कम हैं। देश में गृहिणियों की सेविंग समूची बचत का 24 फीसदी है जो दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। कहना गलत नहीं होगा कि उनसे मिले स्नेह, सहयोग और संबल का आर्थिक मोल आंकना तो असंभव ही है। ऐसे में घरेलू महिलाओं के योगदान की मॉनिटरी वैल्यू समझना आवश्यक है। साथ ही गृहिणी की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी की अनदेखी को रोकने के लिए संपत्ति स्वामित्व में उनके अधिकारों को रेखांकित करना जरूरी है।

श्रमशक्ति का अहम हिस्सा

घरेलू महिलाएं भी देश की श्रमशक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कमोबेश हर अध्ययन अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी की बात कहता है। ऐसे में संपत्ति के अधिकार की मांग से जुड़ा यह ताजा मामला और फैसला दोनों विचारणीय हैं। दरअसल, एक महिला द्वारा उच्च न्यायालय से मांग की गई थी कि विवादित संपत्ति में उसका भी समान और वैध अधिकार घोषित किया जाये। उसने परिवार की देखभाल के लिए अपनी नौकरी तक छोड़ दी थी। मामले में हाईकोर्ट ने कहा कि ससुराल में पत्नी का रहना मात्र उसे पति के नाम पर मौजूदा संपत्तियों पर मालिक होने का अधिकार प्रदान नहीं कर सकता है। इसके लिए ठोस साक्ष्य और घरेलू योगदान को स्थापित करना जरूरी है। न्यायालय की यह टिप्पणी बहुत जरूरी बात लिए है। देश की बहुत सी गृहिणियां श्रम शक्ति में भागीदारी निभाने के बावजूद संपत्ति के अधिकार से वंचित हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में मनाई गई महाराजा अग्रसेन की जयंती, अखिलेश यादव ने किया शांति और बंधुत्व का संदेश

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में 22 सितंबर को महाराजा अग्रसेन की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।अखिलेश यादव ने कहा कि महाराजा अग्रसेन अग्रोदय नामक गणराज्य के राजा थे, जिनकी राजधानी अग्रोहा थी। वे धार्मिक आस्थाओं के प्रति सजग, शांति दूत और बलि प्रथा को बंद करने वाले दयालु राजा थे। श्री यादव ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने अपने शासनकाल में परंपरा और प्रयोग का संतुलित सामंजस्य स्थापित किया और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य किया। उनके द्वारा स्थापित बंधुत्व और सद्भाव का संदेश आज भी प्रासंगिक है।अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने वर्तमान सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण व्यापार और कारोबार चौपट हो गया है। उन्होंने कहा कि गलत तरीके से लगाए गए जीएसटी ने महंगाई को बढ़ाया है और मुनाफाखोरी को बढ़ावा दिया है। जनता महंगाई, अन्याय और अत्याचार से त्रस्त है।अखिलेश यादव ने अवैध कारोबार, भूमि और तालाबों पर अवैध कब्जे, पशु तस्करी, नशीले पदार्थों की बिक्री और मिलावटखोरी जैसी घटनाओं पर सरकार की निष्क्रियता को भी उजागर किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पुलिस का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है और अपने राजनीतिक एजेंडे को पूरा करने के लिए विपक्षी नेताओं पर झूठे मुकदमे लगवाती है।उन्होंने कहा कि इस सरकार में हत्या, लूट, बलात्कार और महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बेटियों के खिलाफ अपराध देश में सबसे अधिक हैं। सरकार ने कानून व्यवस्था और प्रशासन को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। श्री यादव ने आश्वासन दिया कि जब यह सरकार जाएगी, तभी न्याय मिलेगा, कानून व्यवस्था में सुधार होगा, अवैध कारोबार पर रोक लगेगी और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार आएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अवधेश प्रसाद सांसद, अरविन्द कुमार सिंह पूर्व सांसद, पूर्व विधायक रुश्दी मियां, विधायक सुरेश याद, संजय अग्रवाल, विनय गुप्ता, नीरज गुप्ता, सुनील जैन, अंकुश, अमर सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे और महाराजा अग्रसेन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

नगर निगम लखनऊ में ई–ऑफिस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम लखनऊ में कार्य व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी और त्वरित बनाने के उद्देश्य से ई–ऑफिस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण प्रभारी अधिकारी (अधिष्ठान) विकास सिंह और कार्यालय अधीक्षक (अधिष्ठान) श्री महेंद्र वर्मा की देखरेख में सम्पन्न हुआ।प्रशिक्षण में नगर निगम के सभी जोनों के समस्त लिपिकों और राजस्व निरीक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान अधिकारियों ने ई–ऑफिस प्रणाली के प्रयोग, पत्राचार के डिजिटलीकरण और कार्य निष्पादन की नवीन पद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी दी।नगर निगम का यह प्रयास डिजिटल कार्यप्रणाली को बढ़ावा देने और नागरिकों को सुविधाएँ अधिक सुलभ एवं शीघ्र प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ई–ऑफिस प्रणाली के माध्यम से अब कार्यालयीन कार्य और अधिक दक्षता, पारदर्शिता और गति के साथ संचालित किए जा सकेंगे।इस अवसर पर नगर आयुक्त ने कहा कि ई–ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन से कार्यालय कार्यों में पारदर्शिता और गति बढ़ेगी, जिससे नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने सभी लिपिकों से अपील की कि वे इस प्रणाली का पूर्ण उपयोग करते हुए।

संक्षिप्त खबरें

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने लखनऊ में यातायात व्यवस्था सुधार के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने राजधानी लखनऊ में यातायात व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की और अधिकारियों को आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर को जाम–मुक्त बनाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित रूट चार्ट का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आम नागरिकों को यातायात जाम से राहत दिलाई जाए।बैठक में उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवश्यक अवसंरचनात्मक कार्यों हेतु प्रस्ताव यथाशीघ्र उपलब्ध कराए जाएं और मानव संसाधन बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर होमगार्ड और पीआरडी के जवानों की सेवाएं भी ली जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रैफिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाख, एसीपी बाबलू कुमार, कमलेश दीक्षित, डीसीपी ट्रैफिक अरविंद कुमार मौर्य, नगर आयुक्त गौरव कुमार, एडीएम सिटी महेन्द्र पाल सिंह और अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह सहित जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस के उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहे।बैठक का उद्देश्य शहर में सड़कों पर यातायात की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करना और पर्वों के दौरान नागरिकों की सुरक्षा व सुविधा को प्राथमिकता देना बताया गया। अधिकारियों को सभी प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त निगरानी, ट्रैफिक सिग्नल और रूट मैनेजमेंट के लिए विशेष दिशा–निर्देश दिए गए।

चौत्रा वी0 आईएएस ने उत्तर प्रदेश में महानिदेशक आयुष एवं निदेशक आयुर्वेद का कार्यभार संभाला

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी चौत्रा वी0 आईएएस ने उत्तर प्रदेश के महानिदेशक आयुष एवं निदेशक आयुर्वेद के पद का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व उन्होंने युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल की महानिदेशक के रूप में अपने दायित्वों का प्रभावी एवं जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन किया है।कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और आयुष सेवाओं की गुणवत्ता एवं उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति को आम जनता तक पहुँचाना और मरीजों को सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना विभाग की प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही, आयुर्वेद के अनुसंधान, प्रचार–प्रसार और डिजिटल साधनों के माध्यम से सेवाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।चत्रा वी0 आईएएस ने इससे पहले सिद्धार्थनगर, हापुड़, कासगंज, ललितपुर और हाथरस में जिलाधिकारी के रूप में सेवाएं दी हैं। इसके अलावा उन्होंने आयुक्त अलीगढ़ मण्डल अलीगढ़ और पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उनके प्रशासनिक अनुभव से आयुष विभाग को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद है।कार्यभार ग्रहण समारोह में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने चौत्रा वी0 आईएएस का स्वागत करते हुए उनके नेतृत्व में विभाग की नीतियों एवं योजनाओं को और प्रभावी बनाने का भरोसा व्यक्त किया।

चौन स्नैचिंग में जान गंवाने वाले अतुल जैन के परिजनों से मिले कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में चौन स्नैचिंग की घटना के दौरान जान गंवाने वाले जानकीपुरम गार्डन निवासी अतुल कुमार जैन के घर जाकर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और घटना की पूरी जानकारी ली।गौरतलब है कि दो दिन पूर्व सुबह के समय अतुल कुमार जैन आवश्यक कार्य से घर से निकले थे। रास्ते में बदमाशों ने उनकी चौन छीन ली। जब उन्होंने बदमाशों का पीछा किया तो आरोपियों ने उनकी स्कूटी पर लात मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर एक पीकअप से जा टकराया। हादसे में गंभीर रूप से घायल अतुल कुमार जैन की मौत हो गई। इस घटना ने न केवल क्षेत्र में बल्कि पूरे शहर में सनसनी फैला दी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस दर्दनाक हादसे पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध, लूट, डकैती, हत्या और रेप जैसी वारदातें रोजाना बढ़ रही हैं और सरकार अपराध नियंत्रण में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। अजय राय ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन और सरकार की लापरवाही के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम नागरिकों की सुरक्षा दांव पर लगी हुई है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि आम जनता में भय और असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है। कानून का भय खत्म हो जाने से अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।अजय राय ने इस दौरान सरकार से मांग की कि दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दी जाए और मृतक परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।इस मौके पर उनके साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमित कुमार राय, कांग्रेस नेता राजेश जायसवाल सहित ।

रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी का नेतृत्व करेंगे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बौद्ध भिक्षुओं ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस के कालिमकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषों की प्रदर्शनी का नेतृत्व करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश भर से आए बौद्ध भिक्षुओं ने मुख्यमंत्री कार्यालय, 7 कालिदास मार्ग पर एकत्र होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति और बौद्ध विरासत के सम्मान का प्रतीक है।बौद्ध भिक्षुओं ने उपमुख्यमंत्री को रूस यात्रा और वहां के कार्यक्रमों की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया और मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रयासों से भारतीय संस्कृति और भगवान बुद्ध के संदेश को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा मिल रही है। उपमुख्यमंत्री 23 सितंबर को प्रतिनिधिमंडल के साथ रूस के लिए प्रस्थान करेंगे।इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि 2014 से देश की बागडोर संभालने के बाद से उन्होंने भारत की संस्कृति और सभ्यता का विश्वभर में मान–सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में भी प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा था कि भारत ने दुनिया को बुद्ध दिया है, युद्ध नहीं। भगवान बुद्ध का दर्शन आज भी करुणा, शांति और सह–अस्तित्व का मार्ग दिखाता है।मौर्य ने बताया कि भगवान बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी थाईलैंड और वियतनाम में पहले भी आयोजित हो चुकी है, जिससे न केवल राजनीतिक रिश्ते बल्कि आध्यात्मिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। रूस की यात्रा से भी भारत की सभ्यतागत विरासत को नया आयाम मिलेगा। उन्होंने कहा कि पिपरहवा, जिसे कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, से प्राप्त अवशेष भारत की सांस्कृतिक चेतना से जुड़े हैं और वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए अत्यंत पूजनीय हैं।उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध संपूर्ण मानवता के लिए भारत की सबसे अनमोल धरोहर हैं।

संक्षिप्त खबरें

किंजल सिंह (आईएएस) ने उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया

लखनऊ, (संवाददाता)। किंजल सिंह (आईएएस) ने सोमवार को उत्तर प्रदेश परिवहन आयुक्त का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और विभाग के विभिन्न कार्यों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का जायजा लिया।उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों को पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएं तथा सरकार की मंशा के अनुरूप सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से संपन्न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा शिथिलता या लापरवाही बरती गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।किंजल सिंह ने अधिकारियों से यह भी कहा कि सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें और अपने कार्यों को दक्षता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करें। उनका यह भी निर्देश था कि नागरिकों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, जिससे विभाग की छवि प्रदेश में सकारात्मक बने और जनता को सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके।इस बैठक में विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने नए परिवहन आयुक्त के नेतृत्व में कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का आश्वासन दिया।

लखनऊ में कल्ली पश्चिम परियोजना के माध्यम से पर्यटन को मिलेगा नया पउचनसेव

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना मलिहाबाद क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर के मामले में पुलिस ने सफलतापूर्वक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का अनावरण किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। इस कार्रवाई में हत्या में प्रयुक्त हथियार, मृतक का मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए गए हैं।जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त 2025 को सर्वेश यादव (35 वर्ष), निवासी टिकरी खुर्द, थाना मलिहाबाद और पेशे से ओला ड्राइवर, ने हरजतगंज क्षेत्र से इन्दिरा डैम तक चार युवकों की राइड स्वीकार की। तीन आरोपियों ने कार में बैठकर सर्वेश को लूटने और मारने की योजना बनाई और रास्ते में उसके सिर में देशी पिस्टल से गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। आरोपियों ने मृतक का रुपया और मोबाइल लूट लिया।हत्या के बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट में रखकर करीब आठ किलोमीटर दूर, बाराबंकी जनपद के थाना देवा क्षेत्र के किसान पथ के पास झाड़ियों में फेंक दिया। वाहन को खादी ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज के गेट के बाहर तेल खत्म होने का बहाना बनाकर छोड़कर सभी आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए।सर्विलांस टीम ने मृतक के मोबाइल के आईएमआई नंबर के आधार पर आरोपियों का पता लगाया और सीसीटीवी फुटेज तथा भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के माध्यम से उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सौरभ यादव उर्फ शेरा (25 वर्ष), विजय यादव (22 वर्ष) और अखिल यादव शामिल हैं। फरार अभियुक्त अरविंद सिंह उर्फ कालू की तलाश जारी है।पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर उनके निवास स्थान से एक देशी पिस्टल (.32 बोर), चार खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा, मृतक सर्वेश यादव का क्षत–विक्षत शवध्कंकाल भी बरामद किया गया, जिसकी पहचान परिजनों ने कपड़ों और गले के धागे के आधार पर की।

चंदौली की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने मिशन शक्ति के माध्यम से बचाई कुपोषित बच्चे की जान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में महिला सशक्तीकरण का नया चेहरा मिशन शक्ति अभियान के जरिए उभर रहा है। प्रमुख सचिव महिला कल्याण एवं बाल विकास सेवा पुष्टाहार लीना जौहरी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मिशन शक्ति ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का नया विश्वास दिया है। इसी कड़ी में चंदौली जिले के चहनिया ब्लॉक के रामगढ़ गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुजाता कुशवाहा ने अपने अथक परिश्रम और समर्पण से यह साबित किया है कि एक महिला पूरे समाज के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है।रामगढ़ गांव में हरिश्चंद्र पासवान के बेटे आदर्श गंभीर कुपोषण से जूझ रहा था। न खेलने की ताकत, न आंखों में चमक। परिवार गरीब था और पोषण व स्वच्छता की जानकारी से वंचित था। इस परिस्थिति में सुजाता कुशवाहा ने मिशन शक्ति की भावना के साथ सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कई बार घर का दरवाजा खटखटाया और परिवार को समझाया कि केवल समय बीतने से बच्चा स्वस्थ नहीं होगा, बल्कि उचित आहार और देखभाल से ही उसकी सेहत सुधर सकती है।सुजाता ने आदर्श को आंगनबाड़ी केंद्र पर बुलाया, वजन और लंबाई की जांच करवाई, स्वास्थ्य परीक्षण करवाया और आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराईं। परिवार को पूरक आहार की जानकारी दी और साफ पानी, हाथ धोने तथा स्वच्छता के महत्व को समझाया। अपने संसाधनों से मूंगफली पाउडर देकर पोषण में मदद की। लगातार फॉलो–अप, संवाद और आहार परामर्श के परिणाम स्वरूप आदर्श का वजन और लंबाई बढ़ी और वह अब अन्य बच्चों की तरह खेलता और मुस्कुराता है।सजाता कुशवाहा का प्रयास केवल एक बच्चे तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने पूरे गांव में यह संदेश फैलाया कि अगर महिलाएं जागरूक हों, तो समाज में कुपोषण जैसी समस्या जड़ से खत्म की जा सकती है। उन्होंने बताया कि कई बार लोगों ने बात सुनने से इनकार किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और निरंतर प्रयास किया।योगी सरकार का मिशन शक्ति अभियान महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ–साथ बदलाव का नेतृत्व करने की ताकत देता है। सुजाता कुशवाहा इसका जीवंत उदाहरण हैं।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ के जनपथ मार्केट में व्यापारीगणों से की संवाद बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आज राजधानी लखनऊ स्थित जनपथ मार्केट का भ्रमण कर व्यापारीगणों से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कमी को लेकर उत्साह व्यक्त किया और व्यापारीगणों की खुशी में शामिल होकर उन्हें बधाई दी।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी की दरें घटाकर केंद्र सरकार ने देशवासियों को एक अनमोल उपहार दिया है। इससे बाजार की कई आवश्यक वस्तुएं सस्ती हुई हैं और आम आदमी के क्रय के दायरे में आई हैं। उन्होंने बताया कि आज पवित्र नवरात्रि प्रारंभ हुआ है और आने वाले दिनों में दशहरा, दीपावली और छठ पूजा जैसे महत्वपूर्ण त्योहार हैं। इन अवसरों पर लोग अधिक मात्रा में खरीददारी करते हैं और घटी हुई जीएसटी दरों के कारण यह प्रक्रिया और भी सुगम और लाभकारी होगी।

श्री ब्रजेश पाठक ने लोगों से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं की खरीद करें। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं के प्रोत्साहन से हमारे एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय उत्पादकों को व्यापक बाजार मिलेगा, और इससे उत्पादकता और आय दोनों में वृद्धि होगी।उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि स्वदेशी अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी और यह 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने उर्वरक आपूर्ति और वितरण की समीक्षा की

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को कृषि निदेशालय, लखनऊ में दो अहम बैठकें आयोजित कर उर्वरक की उपलब्धता और वितरण की स्थिति की समीक्षा की।पहली बैठक में मंत्री ने प्रमुख सचिव कृषि और निदेशक कृषि के साथ आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरक आपूर्ति और उपलब्धता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। मंत्री ने यह भी कहा कि कंपनियों को दिए गए आपूर्ति लक्ष्य समय पर पूरे किए जाएं और वितरण प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर तेज किया जाए।इसके बाद मंत्री ने लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, अयोध्या, कानपुर नगर और कानपुर देहात के होलसेलरों और उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस दौरान यूरिया और अन्य प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता, बिक्री की स्थिति, निर्धारित दर पर वितरण, टैगिंग व्यवस्था और आपूर्ति तंत्र की समीक्षा की गई।बैठक में मंत्री ने प्रत्येक होलसेलर से संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। कई बिंदुओं का समाधान तत्काल अधिकारियों के माध्यम से किया गया। उन्होंने संबंधित जिलों के कृषि अधिकारियों से फीडबैक लिया और वितरण व्यवस्था पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यूरिया और अन्य उर्वरकों की बिक्री केवल भारत सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर ही की जाए। निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करने वाले होलसेलरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि यह न केवल लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन है, बल्कि किसानों के हितों के विपरीत भी है।

लखनऊ में ओला ड्राइवर की हत्या का पुलिस ने किया सफल अनावरण

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना मलिहाबाद क्षेत्र में हुए ब्लाइंड मर्डर के मामले में पुलिस ने सफलतापूर्वक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का अनावरण किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। इस कार्रवाई में हत्या में प्रयुक्त हथियार, मृतक का मोबाइल फोन और अन्य महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए गए हैं।जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त 2025 को सर्वेश यादव (35 वर्ष), निवासी टिकरी खुर्द, थाना मलिहाबाद और पेशे से ओला ड्राइवर, ने हरजतगंज क्षेत्र से इन्दिरा डैम तक चार युवकों की राइड स्वीकार की। तीन आरोपियों ने कार में बैठकर सर्वेश को लूटने और मारने की योजना बनाई और रास्ते में उसके सिर में देशी पिस्टल से गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। आरोपियों ने मृतक का रुपया और मोबाइल लूट लिया।हत्या के बाद आरोपियों ने शव को कार की पिछली सीट में रखकर करीब आठ किलोमीटर दूर, बाराबंकी जनपद के थाना देवा क्षेत्र के किसान पथ के पास झाड़ियों में फेंक दिया। वाहन को खादी ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज के गेट के बाहर तेल खत्म होने का बहाना बनाकर छोड़कर सभी आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए।सर्विलांस टीम ने मृतक के मोबाइल के आईएमआई नंबर के आधार पर आरोपियों का पता लगाया और सीसीटीवी फुटेज तथा भौतिक व इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के माध्यम से उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सौरभ यादव उर्फ शेरा (25 वर्ष), विजय यादव (22 वर्ष) और अखिल यादव शामिल हैं। फरार अभियुक्त अरविंद सिंह उर्फ कालू की तलाश जारी है।पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर उनके निवास स्थान से एक देशी पिस्टल (.32 बोर), चार खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। इसके अलावा, मृतक सर्वेश यादव का क्षत–विक्षत शवध्कंकाल भी बरामद किया गया, जिसकी पहचान परिजनों ने कपड़ों और गले के धागे के आधार पर की। इस कार्रवाई में थाना मलिहाबाद और सर्विलांसध्स्वाट टीम उत्तरी जोन की संयुक्त पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह भाटी, वरिष्ठ उपनिरीक्षक संजय यादव, उपनिरीक्षक राहुल तिवारी, अमन श्रीवास्तव, दीपक कुमार, अश्वनी सिंह, विवेक कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी और स्वाट टीम के हेड कांस्टेबल व कांस्टेबलों ने घटना का सफल अनावरण सुनिश्चित किया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस सफलता से साबित होता है कि तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों का सही इस्तेमाल कर गंभीर अपराधों का शीघ्र खुलासा किया जा सकता है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं और आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ए.डी.आर. प्रणाली न्याय व्यवस्था को मिली गतिः प्रशांत कुमार सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में दीक्षोत्सवद्2025 के अंतर्गत बुधवार को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली (एडीआर) का महत्व" रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रशांत कुमार सिंह–प्रथम, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ए.डी.आर. प्रणाली न्याय व्यवस्था को गति प्रदान करने तथा आमजन की न्याय तक सरल पहुँच सुनिश्चित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली के माध्यम से न्यायालयों का भार कम होता है और समाज में आपसी सामंजस्य एवं सौहार्द भी बना रहता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि आज की न्याय व्यवस्था में वैकल्पिक विवाद समाधान की प्रासंगिकता निरंतर बढ़ रही है। इस विषय पर विद्यार्थियों को गहन जानकारी मिलना उनके भावी जीवन एवं पेशेवर सफर के लिए अत्यंत लाभकारी है। विभागाध्यक्ष एवं निदेशक प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार ने कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली भविष्य की न्याय व्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी साधन है। इसके माध्यम से समाज में न केवल न्याय की सहज उपलब्धता होगी बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत होगी। डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि ए.डी.आर. प्रणाली समाज में विवादों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने का एक प्रभावी विकल्प है, जो न्यायिक व्यवस्था को और अधिक जनोन्मुखी बनाता है। दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में आभार व्यक्त करते हुए डॉ. वनिता सिंह ने कहा कि मुख्य अतिथि एवं कुलपति के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को नए आयाम प्राप्त हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन पूर्व निदेशक मंगला प्रसाद यादव ने किया ।

राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सर्प दंश से मृतक परिवार को चार लाख रुपए का आर्थिक सहायता प्रदान किया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव ने बुधवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम लखमीपट्टी निवासी सियाराम पुत्र सनेही का विगत दिनों सर्प दंश से निधन हो गया था। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखमीपट्टी गांव जाकर शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर संवेदनायें प्रकट

किया। और सर्फ दंश से मृतक सियाराम की पत्नी रितु यादव को राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत 4,00,000 चार लाख की आर्थिक सहायता का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने मृतक के परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा भी दिलाया। इस अवसर पर निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष राजकेसर पाल, जिला पंचायत सदस्य श्यामबाबू यादव, मनीष श्रीवास्तव व उपजिलाधिकारी सदर सन्तवीर सिंह सहित आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

फुलवारी में राम सीता का मिलन देख भाव विभोर हुए श्रोता

गोण्डा। मालवीय नगर स्थित रामलीला में चल रही लीला में तृतीय दिवस बस्ती के नटराज रामलीला मंडल के कलाकारों ने जनकपुर में फुलवारी लीला का मोहक प्रदर्शन किया। लीला मंडल के कुशल कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुति देखने वर्षों बाद दर्शकों का रुझान एक बार पुनः रामलीला की ओर बढ़ा है। मिथिला में सीता स्वयंवर की चल रही तैयारियों के बीच मुनि विश्वामित्र के आदेश पर जनक की फुलवारी में फुल चुनने पहुंचे भगवान राम लक्ष्मण का गौरी पूजन के लिए आईं सखियों के साथ आईं भगवती सीता से भेंट हो गई। दोनों एक दूसरे को

देखकर मुग्ध हो गए। रामलीला का आनन्द लेने के लिए आए भक्त दर्शक भी इस मोहक दृश्य पर भक्ति से भाव विभोर हो गए। लीला में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी के आरती महेश तिवारी पूर्व प्रत्याशी विधानसभा द्वारा आरती की गई। आरती में धीरेंद्र प्रताप पांडेय, राजेश तिवारी ओमकार गुप्ता मिंटू, अमर किशोर कश्यप पूर्व अध्यक्ष भाजपा, सोमपाल श्रीवास्तव, गोपेश श्रीवास्तव, राजू कश्यप, राजू श्रीवास्तव गुरु जी आदि राम भक्त उपस्थित थे।

जिला कोर्ट में पेशी पर आया आरोपी पुलिस की अभिरक्षा से भागा

सीतापुर, (संवाददाता)। शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित जिला कोर्ट में सोमवार सुबह पेशी पर आया बंदी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भाग निकला। पुलिसकर्मी शोर मचाकर उसके पीछे भागे, लेकिन तब तक वह गेट फांदकर सड़क पर पहुंच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बंदी को भागते देखा तो करीब पांच सौ मीटर तक पीछा कर उसे दबोच लिया। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिसकर्मियों ने आरोपी को वापस कोर्ट के लॉकअप में बंद कर दिया। सकरन के इमलिया गांव निवासी प्रदीप पर छेड़छाड़ का केस दर्ज है। वह लंबे समय से जेल में बंद था। सोमवार को जिला कोर्ट परिसर में पेशी पर आया था। इस दौरान मौका देखकर सेशन लॉकअप से पुलिसकर्मियों को चकमा देकर भागने लगा। पुलिसकर्मी शोर मचाकर आरोपी को पकड़ने के लिए दौड़े। पलक झपकते ही प्रदीप कोर्ट परिसर का मुख्य गेट पार कर सड़क की ओर भाग गया। शोर सुनकर मौके पर मौजूद लोग भी उसे पकड़ने दौड़े। करीब पांच सौ मीटर तक प्रदीप लोगों को छकाता रहा। हालांकि, इसके बाद लोगों ने उसे दबोच लिया।

मदर टेरेसा सेवा और मानवता की थीं सच्ची प्रतिमूर्ति : प्रो. प्रमोद यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में बुधवार को मदर टेरेसा की प्रतिमा पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता, प्रो प्रमोद कुमार यादव ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । प्रो. यादव ने कहा कि मदर टेरेसा सेवा और मानवता की सच्ची प्रतिमूर्ति रही हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना उन्हीं के आदर्शों पर चल कर समाज, गांव एवं राष्ट्र को एक उत्कृष्ट दिशा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त माध्यम है । इस अवसर पर डॉ. राज बहादुर यादव, समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना 24 सितम्बर 1969 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मशताब्दी के अवसर पर युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया था। राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। साथ ही साथ ग्राम्य विकास, स्वच्छता, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता जैसे क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना। इस अवसर पर डॉ.अवधेश कुमार मौर्य, डॉ शशिकांत यादव, विजय मौर्य, प्रभात तिवारी सहित एनएसएस के स्वयंसेवक स्वयंसेविकाएं एवं छात्र–छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत बाल रोग विभाग में टीकाकरण जागरूकता का आयोजन।

देश की उपासना
धनन्जय विश्वकर्मा

जौनपुर । मेडिकल कालेज जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के दिशा निर्देश में डा० पूजा पाठक, नोडल, नारी सशक्तिकरण अभियान एवं डा० ममता, विभागाध्यक्ष बाल रोग विभाग के समन्वय और सहभागिता से दिनांक 23 सितम्बर, 2025 को टीकाकरण जागरूकता का अयोजन मेडिकल कालेज के बाल रोग विभाग में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सकों के उपस्थिति में हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों के साथ अभिभावक उपस्थित रहें। इस शिविर में बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व एवं उससे संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि बच्चों के लिए समय पर लगने वाले टीके गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं तथा उनका शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होता है। साथ ही माताओं को नियमित टीकाकरण कैलेंडर, सावधानियाँ और सरकारी योजनाओं के अंतर्गत

उपलब्ध निःशुल्क टीकारण सेवाओं की भी जानकारी दी गई। टीकाकरण से होने वाले लाभों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। इसके अतिरिक्त उपस्थित लोगों के शिशुओं एवं बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल के संबंध में भी मार्गदर्शन दिया गया। शिविर में भाग लेने वाले लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और इसे बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। इस अवसर पर बालरोग विभाग के चिकित्सक, डा० अरविन्द यादव, डा० अजय कुमार यादव, डा० स्वाती प्रजापति, डा० जयन्त शर्मा, डा० संदीप सिंह एवं नर्सिंग अधिकारी, सोनम कन्नौजिया, श्वेता राय, धर्मेंद्र यादव, विकास यादव, अतुल तथा एम०बी०बी०एस० छात्रछात्राएं व बच्चे एवं उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

पेशी से भागने वाले बंदी ने कोर्ट में किया सरेंडर

भदोही, (संवाददाता)। किशोर न्यायालय ज्ञानपुर से फरार बंदी ने सोमवार को एक बार फिर पुलिस को चकमा दे दिया। आरोपी ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। 16 सितंबर को पेशी को आए भदोही के वार्ड 13 आलम बस्ती निवासी अतीक अहमद पेशी के दौरान कोर्ट परिसर से भाग गया था। एएसपी शुभम अग्रवाल ने बताया कि उसे रिमांड पर लिया जाएगा और पूछताछ की जाएगी। बीते 16 सितंबर को जिला कारागार से दो उप निरीक्षक विष्णुकांत और अवध नारायण आरोपी को लेकर किशोर न्यायालय आए थे। उसकी पुकार होने पर उसने दोनों उप निरीक्षकों को चकमा दिया और भाग निकला। वह भागते हुए ज्ञानपुर डाकघर के समीप पहुंचा और वहां पहले से खड़े आलम बस्ती का उसका साथी मुहम्मद अली बाइक पर बैठाकर भाग गया। पुलिस ने उसे भगाने वाले मुहम्मद अली को वाराणसी के चांदपुर चौराहे से 16 सितंबर की रात को ही गिरफ्तार कर लिया था। उसकी तलाश की जा रही थी। सोमवार को वह पुलिसकर्मियों से छिपते–छिपाते मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हो गया। उसके खिलाफ लूट, छिनैती समेत आठ मुकदमे दर्ज हैं।

सड़क दुर्घटनाओं में 12वीं की छात्रा समेत दो की मौत, एक गंभीर

भदोही, (संवाददाता)। जिले के दो अलग–अलग थानाक्षेत्रों में सोमवार को हुई सड़क दुर्घटनाओं में 12वीं की छात्रा समेत दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पहली घटना घोसिया के बुआ जी के इनारा के समीप हुई। जहां ट्रेलर की चपेट में आने से छात्रा शगुन सिंह (17) निवासी जाठी की मौत हो गई। दूसरी घटना अमवां के पास हुई। जहां चार पहिया की चपेट में आने से रहमान (12) निवासी चमनगंज घोसिया की जान चली गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल परवेज आलम को प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। औराई के जाठी निवासी अजय सिंह की बेटी शगुन सिंह गोपीगंज के एक कॉन्वेंट स्कूल में 12वीं की छात्रा थी। प्रतिदिन की तरह सोमवार को वह स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रही थी। बुआ जी के इनारा के समीप वह सड़क पार करने लगी। उसी दौरान दो वाहनों को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर लदे ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी। आसपास के लोग उसे एक निजी अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सभी का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। वह अजय सिंह की इकलौती बेटी थी। मृतका का एक भाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चालक समेत ट्रेलर को पुलिस कोतवाली लेकर गई। घोसिया के चमनगंज तकिया निवासी परवेज आलम पुत्र मोहम्मद मिस्त्री और रहमान पुत्र इश्तियाक सोमवार को बाइक से किसी काम के सिलसिले में गोपीगंज जा रहे थे। गोपीगंज क्षेत्र के अमवा अंडरपास के सामने सर्विस लेन पर पहुंचे थे कि उसी समय अंडरपास से निकले एक चारपहिया वाहन ने टक्कर मार दी। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई पहुंचाया गया।

आखिर कौन कर रहा है सांप्रदायिक तनाव भड़काने की साजिश

हरदोईअम्बरीष कुमार सक्सेना) स्वतंत्र टिप्पणीकार मृत्युंजय दीक्षित के अनुसार उत्तर प्रदेश के कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान लगे, "आई लव मोहम्मद" बोर्ड से शुरू हुआ विवाद अब देशभर में फैल रहा है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव, बरेली, लखनऊ, महराजगंज, जालौन से लेकर कैसरगंज समेत कई शहरों में मुस्लिम समाज अत्यंत उग्रता के साथ जुलूस निकाल रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बहुत ही सघन मुस्लिम बहुल इलाके में भी "आई लव मोहम्मद" लिखा बैनर टांगा गया है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर तनाव अनुभव किया गया। इन जुलूसों में कई जगह पुलिस से टकराव और पथराव भी हो रहा है। मुस्लिम समाज के लोग व मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में संलिप्त रहने वाले लोग इसे मुस्लिम समाज का जेन –जी आंदोलन कहकर आग में घी डालने का कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं जो तनाव को और बढ़ा रहा है। सोची समझी रणनीति के अंतर्गत इस आंदोलन में नाबालिग बच्चों को आगजनी और पुलिस पर पथराव करने के लिए आगे किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश से शुरू हुयी ये अराजकता अब उत्तराखंड के काशीपुर और तेलंगना के हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में पहुँच गई है। आइ लव मोहम्मद के समर्थन में उत्तराखंड में पुलिस बल पर सीधा पथराव तथा हमला किया गया, हमले में जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी अभद्रता और मार पीट का शिकार हुयीं । पुलिस की गाड़ियाँ तोड़ दी गयीं । यही हाल गुजरात के गोधरा शहर में भी हुआ और महाराष्ट्र के नागपुर में भी। इन प्रदर्शनों के दौरान "सिर तन से जुदा" आरै लब्बैक–लब्बैक जैसे बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक नारे लगाए जा रहे हैं।

इस पूरे विवाद की पटकथा उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू हुई। कानपुर के रावतपुर में बारावफात जुलूस निकाला जा रहा था। जिस मार्ग पर जुलूस निकाला जा रहा था उसी रास्ते पर एक जगह "आई लव मोहम्मद" का साइन बोर्ड लगा दिया गया। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने विरोध किया और आरोप लगाया कि यहां नई परंपरा शुरू की जा रही है। दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता देखकर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसी प्रकार से मामला यह कहकर शांत करवाया कि नियम है कि जुलूस में किसी तरह की नई परंपरा नहीं डाली जाएगी । किन्तु बारावफात के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने नई परंपरा डालते हुए परंपरा वाली जगह पर ही टेंट और साइन बोर्ड फिर से लगवा दिया।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि, "आई लव मोहम्मद" को लेकर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है।

इस बीच संभवतः पूर्व नियोजित साजिश के अनुसार कानपुर में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष पर आरोप लगाया कि उसने साइन बोर्ड को फाड़ दिया था। वहीं हिंदू पक्ष ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम पक्ष के जुलूस

में शामिल लोगों ने हिन्दुओं के धार्मिक पोस्टर फाड़े। पुलिस के बीच–बचाव के बाद ऐसा लगा कि अब मामला शांत हो गया है। बाद में कानपुर पुलिस ने बारावफात के जुलूस के दौरान "आई लव मोहम्मद" नाम का एक नया बोर्ड बनाकर नई परंपरा शुरू करने और सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के लिए मुकदमा दर्ज किया।

इस बीच पहले से तैयार बैठे एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुददीन ओवैसी ने सोशल मीडिया एक्स पर कानपुर पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट लिखा कि," आई लव मोहमद" कहना जुर्म नही है अगर है तो इसकी हर सजा मंजूर हैं। ओवैसी ने जिस पोस्ट को लेकर कोट किया था । उसमें दावा किया गया था कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कथित तौर पर नई परंपरा शुरू करने को लेकर पुलिस ने मुकदमा कर दिया है। इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है कि ओवैसी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों का बाजार गर्म होता गया और अब यह आग देश के अनेकानेक हिस्सों में फैलती जा रही है।

तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब कुछ उस समय हो रहा है जब हिन्दू पर्वो की नवरात्र से देवदीपावली तक एक लंबी श्रृंखला चलने वाली है।

इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक ही जैसा नजर आ रहा है। बरेली के जखीरा मुहल्ले में "आई लव मोहम्मद" लिखे कई पोस्टर लगे थे। इंस्पेक्टर सुभाष कुमार ने बताया कि भीड़ होने की सूचना पर, वे पहुंचे तो पाया कि वहां इत्तेहाद –ए–मिल्लत काउंसिल के महासचिव डा. नफीस खान भी थे। पुलिस के पहुंचने पर नफीस खान ने वहां पर उपस्थित लोगों को घर जाने के लिए कह दिया ।

सीएमओ कार्यालय मे तैनात नव नियुक्ति कर्मियों के चेहरे दिखाई देख रही थी खुशी की लहर

अयोध्या। सीएमओ कार्यालय मे उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा नव नियुक्ति आठ कर्मियों के चेहरे पर खुशी साफ साफ दिखाई दे रही थी।नव नियुक्ति कर्मियों ने इस सफलता के लिए खासकर योगी सरकार को बधाई दिया कि उनके कार्यकाल में जिस विभाग मे जितनी भी नियुक्ति हो रही हैं सब पारदर्शी व निष्पक्ष ढंग से हो रही है।बताते चले कि प्रतापगढ़ निवासी स्नेहा त्रिपाठी इससे पहले अभी हाल में पुलिस भर्ती में चयनित हुई थी जिनका प्रशिक्षण आजमगढ़ जिले में चल रहा था उसके बाद यह स्वास्थ्य विभाग में चयनित हुई।अंबेडकर नगर निवासी शिल्पा मिश्रा,अमेठी निवासी आशीष त्रिपाठी,अमेठी निवासी जन्मेजय तिवारी, बाराबंकी निवासी रवि प्रकाश मिश्रा, संत कबीर नगर निवासी आकाश आजाद, प्रतापगढ़ निवासी विकास पाल व प्रतापगढ़ निवासी प्रीति देवी मौर्य की नियुक्ति सीएमओ कार्यालय अयोध्या पर हुई है।इन सभी नव नियुक्ति कर्मियों ने बताया कि उनकी प्राथमिकता स्वास्थ्य विभाग में तय किए गए मानक के अनुसार कार्य करना है।वही सीएमओ डॉक्टर सुशील कुमार ने इस कार्यालय में

तैनात सभी नवनियुक्ति कर्मियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्हें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस कार्यालय में तैनात सभी नव नियुक्ति कर्मी शासन के मंशानुरुप तय किए गए स्वास्थ्य विभाग में मानक के अनुरूप कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ प्रकोष्ठ बनी बहन ममता भारद्वाज

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला जी ने ममता भारद्वाज जी को महिला प्रकोष्ठ में राष्ट्रीय अध्यक्ष (गौ प्रकोष्ठ) की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस अवसर पर संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि ममता भारद्वाज जी पूरे भारत में सनातन धर्म, नारी सशक्तिकरण, गौ माता की रक्षा, गायत्री, गंगा एवं भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाने के संकल्प को सशक्त रूप से आगे बढ़ाएँगी। गुरुकुल, नगर एवं जिले स्तर पर संस्कारशालाओं एवं गौशालाओं की स्थापना में उनका विशेष योगदान रहेगा। संगठन ने आशा जताई है कि ममता भारद्वाज जी अपने कार्यों से पूरे भारत में ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर भी सनातन धर्म का डंका बजाएँगी। राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि गौ माता और गुरु जी की कृपा से वह संगठन को नई ऊर्जा प्रदान कर "भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र" बनाने के संकल्प में मील का पत्थर साबित होंगी।

नाराज होकर आई पत्नी को महिला पुलिस ने पति से मिलाकर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या।किसी बात से अपने पति से नाराज होकर थाना सिगरा वाराणसी निवासी महिला भानुप्रिया उर्फ डाली पत्नी संजय निवासिनी पिशाच मोचन रमाकांत कॉलोनी थाना सिगरा जनपद वाराणसी जो अपने पति संजय से नाराज होकर महिला एक माह के नवजात शिशु के साथ वाराणसी निवासी मंगलवार की सुबह अयोध्या आ गई थी।इस संबंध में पीआरवी 938 के पुलिसकर्मियों ने उस महिला व नवजात शिशु को महिला थाना के सुपुर्द किया। महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने खुद काफी देर तक उक्त महिला से नाराज होने का कारण जानने की कोशिश की।काफी देर तक चली लंबी काउंसलिंग के बाद महिला ने अपने पति से नाराज होकर यहां पर आने की बात कही। इसके बाद किसी तरह उक्त महिला ने अपने पति का मोबाइल नंबर महिला पुलिस को दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।